लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 4, अंक 55, पृष्ठ 16, मूल्य: 6 रुपये

बरेली, सोमवार, 9 जनवरी 2023

www.amritvichar.com

PAGE NO : 07 BOTTOM

रिद्धिमा के मंच पर बिखरा संगीत का जादू

अमृत विचार, बरेली

- पहली प्रस्तुति में राग रागेश्वरी प्रस्तुति में क्लासिकल वाद्य यंत्रों का हुआ वादन
- चौथी और पांचवीं प्रस्तुति में भारतीय और पश्चिमी धुनों का फ्यूजन सामने आया

एसआरएमएस रिद्धिमा की ओर से कार्यक्रम में प्रस्तुति देते प्रतिभागी।

एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को भारतीय और पाश्चात्य वाद्य यंत्रों की धुनों से श्रोता भावविभोर हो गए। संगीत गुरुओं ने प्रचलित व लुप्त हो चुके वाद्य यंत्रों की सरगम छेड़ कर रिद्धिमा के मंच को धुनों से सजा दिया। पहली प्रस्तुति में राग रागेश्वरी प्रस्तुति में क्लासिकल वाद्य यंत्रों का वादन हुआ। इसमें उमेश मिश्रा ने सारंगी, कुंवर पाल ने सितार, चंद्रमोहन ने बांसुरी, जनार्दन भारद्वाज ने हरमोहन, सूर्यकांत चौधरी ने वायलिन, आकाश गुप्ता और सावन कुमार ने प्रस्तुति दी।

दूसरी प्रस्तुति में इसमें तबला गुरु आकाश गुप्ता और सावन कुमार और उनके स्टूडेंट गुरंश सिंह, मंतिका अरोरा और उज्ज्वल अग्रवाल ने तबला पर मध्यम लय में तीन ताल का प्रदर्शन किया। इसमें सारंगी गुरु उमेश मिश्रा ने भी साथ दिया। तीसरी प्रस्तुति में राग कलाश्री पर फ्यूजन सामने आया। इसमें जोशुना बैले ने ड्रम पर जबकि इजिप्ट के वाद्ययंत्र दुर्बगा पर सावन कुमार ने हाथ आजमाया। इनका साथ रोनिक फिलिप ने सेक्सोफोन पर, सुरेंद्र सिंह ने कांगो पर और मुकेश ने बेस गिटार पर दिया। चौथी और पांचवीं प्रस्तुति में भारतीय और पश्चिमी धुनों का फ्यूजन सामने आया। इसमें पाश्चात्य संगीत जगत का प्रसिद्ध वाल्ट म्यूजिक के साथ ही भारतीय धुनें प्रदर्शित की गईं। जिसे तबला पर सावन केवट, सितार पर कुंवर पाल, सारंगी पर उमेश मिश्रा, वायलिन पर सूर्यकांत चौधरी, हरमोनियम पर जनार्दन भारद्वाज, कीबोर्ड पर जोशुना बैले, तबला पर आकाश गुप्ता ने प्रस्तुत किया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा. रीटा शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।